

# रोहतक भूमि

तापमान अधिकतम 41.3 डिग्री न्यूनतम 22.4 डिग्री

रोहतक, बुधवार 29 अप्रैल 2026

## खबर संक्षेप

**खेड़ी साध गांव में 20 एकड़ में फाने जले**  
रोहतक। खेड़ी साध गांव में मंगलवार दोपहर अचानक लगी आग से करीब 20 एकड़ के फाने जल गए। खेतों से उठता धुआं और लपटों की तेज रफ्तार ने आसपास के किसानों में अफरा-तफरी मचा दी। आग लगने की सूचना तुरंत फायर ब्रिगेड को दी गई, लेकिन काफी देर तक कोई टीम मौके पर नहीं पहुंची। ऐसे में किसानों और गांव के लोगों ने अपने स्तर पर टैंकर, पानी के टैंकर और मिट्टी डालकर आग बुझाने की कोशिश की। घंटों की मशकत के बाद आग पर काबू पाया जा सका, लेकिन तब तक बड़ा नुकसान हो चुका था। किसानों का कहना है कि यदि फायर ब्रिगेड समय पर पहुंच जाती तो नुकसान को काफी बंद तक रोका जा सकता था। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार आग लगने के कारणों का अभी स्पष्ट पता नहीं चल पाया है।

## बुजुर्ग से 78 हजार रुपये की ऑनलाइन ठगी

महम। कस्बा महम में एक बुजुर्ग व्यक्ति के साथ 78 हजार रुपये की ऑन लाइन ठगी का मामला प्रकाश में आया है। पुलिस को दी शिकायत में महम के वार्ड 13 निवासी 58 वर्षीय तिलक राज पुत्र सीता राम ने बताया कि उसका फोन अपने आप रीसेट हो गया। जब फोन रीसेट होने के बाद उसने मोबाइल फोन ऑन किया तो उसके पीएनबी बचत खाता से और एफबीआई क्रेडिट कार्ड से 78 हजार रुपये का फ्रॉड हो गया। जांच के बाद पता चला कि इन पैसों से ऑन लाइन शॉपिंग की गई है। एफबीआई एप के जरिए इनमें से तनिष्क शॉपिंग एप के 3 कॉयन गिफ्ट कार्ड खरीदे गए हैं। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

## गेहूं की फसल काटने का आरोप, पूर्व सरपंच पर केस

महम। निंदाना गांव के एक व्यक्ति ने गांव के पूर्व सरपंच के खिलाफ महम थाने में शिकायत दी है। पुलिस को दी शिकायत में निंदाना तिगरी गांव निवासी अजमेर पुत्र दिलबाग ने बताया कि गांव में एचपी पेट्रोल पंप के पास खेतों की ओर एक रास्ता जाता है। जहां उसने करीब एक एकड़ जमीन राजवंती पत्नी धर्मबीर से ठेके पर लिया हुआ है। रात दिवस शाम साढ़े 7 बजे वह खेत से अपने घर चला गया। सुबह 8 बजे खेत में आकर देखा तो उसकी गेहूं की फसल कटी हुई थी। इस बारे में उसने तसल्ली की तो पता चला कि गांव का पूर्व सरपंच नरेश उर्फ गटरा रात को उसकी गेहूं की फसल को काटकर ले गया। उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। पुलिस ने नरेश उर्फ गटरा के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। पूर्व सरपंच नरेश से बातचीत की गई तो उसने बताया कि यह साढ़े की खेवट का मामला है।

## 10 मार्च को जेवरात और नकदी ले गए थे चोर

## आईएमटी चोरी मामले में दो और आरोपी गिरफ्तार

**भालौट निवासी दिपांशु व अतुल को पुलिस ने किया गिरफ्तार, दो आरोपी पहले ही पकड़े जा चुके**  
हरिगुप्त न्यूज || रोहतक  
रोहतक के आईएमटी क्षेत्र में हुई चोरी की वारदात में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस मामले में अब तक कुल चार आरोपियों को पकड़ा जा चुका है। पुलिस प्रवक्ता मनीष के अनुसार, गांव भालौट निवासी कुलदीप ने शिकायत दर्ज कराई थी कि 10 मार्च की रात उनके मकान के पीछे बने कमरे में रखी अलमारियां से जेवरात और नकदी चोरी हो गई थी। मामले की जांच मुख्य सिपाही रोहित को सौंपी गई थी। जांच के दौरान पुलिस टीम ने 27 अप्रैल को कार्रवाई करते हुए गांव भालौट निवासी दिपांशु (पुत्र विनोद) और अतुल

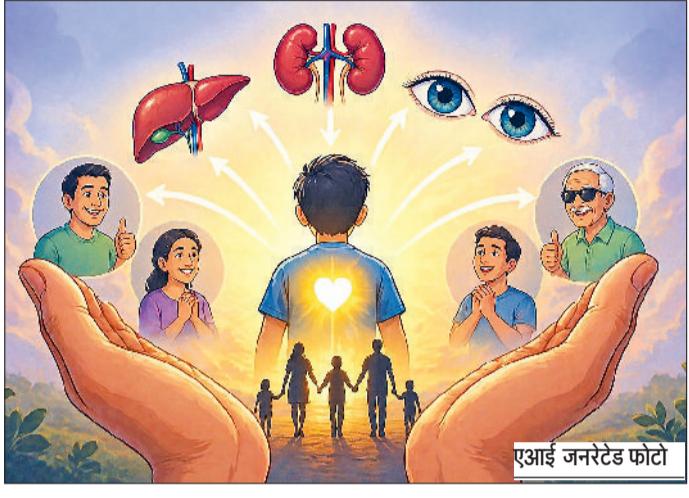
## पीजीआई में 10 घंटे चले ऑपरेशन के बाद दो मरीजों की आंखों की लौटी रोशनी

**एक किडनी पंचकूला, लीवर दिल्ली और अन्य अंग रोहतक में किए ट्रांसप्लांट**  
हरिगुप्त न्यूज || रोहतक

मानवता और अंगदान की मिसाल बने 16 वर्षीय किशोर हर्ष ने मृत्यु के बाद भी छह लोगों को नई जिंदगी देकर एक प्रेरणादायक उदाहरण पेश किया है। उसकी किडनी और लीवर पहले ही प्रत्यारोपित किए जा चुके थे, वहीं मंगलवार को उसकी दोनो आंखों का अंग दान किए गए सफल प्रत्यारोपण किया गया। इसके बाद अब दो लोग हर्ष की आंखों से दुनिया देख सकेंगे। खास बात यह है कि दोनों मरीज



किशोर हर्ष, जिनके अंग दान किए गए



एआई जनरेटेड फोटो

कई वर्षों से आंखों के इंतजार में थे। पीजीआईएमएस नेत्र विभाग में करीब 10 घंटे तक चले जटिल ऑपरेशन के बाद दोनों कॉर्निया ट्रांसप्लांट सफलतापूर्वक पूरे किए गए। नेत्र विभाग के एचओडी डॉ. आरएस चौहान ने बताया कि 47 वर्षीय

## हर्ष की आंखों से दो लोग देखेंगे दुनिया कुल छह लोगों को दे गया नई जिंदगी

### अंगदान से समाज को मानवता का संदेश दिया

पीजीआईएमएस के कुलपति डॉ. एचके अग्रवाल ने बताया कि हर्ष के शरीर से दो कॉर्निया, दो किडनी और दो लीवर सफलतापूर्वक निकाले और प्रत्यारोपित किए गए। मंगलवार को नेत्र विभाग ने दो लोगों को आंखें प्रत्यारोपित कीं। इस तरह एक किशोर ने अपने जीवन के बाद भी कई जिंदगियों में उजाला भर दिया। यह घटना अंगदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ समाज को मानवता का संदेश भी देती है।

### 15 अप्रैल को हादसे का शिकार हुआ था हर्ष

हर्ष और उसके पिता राजेंद्र का 15 अप्रैल को पानीपत के समालखा के पास एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ था। इस दुर्घटना में उसके पिता की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि हर्ष को गंभीर हालत में रोहतक लाया गया और अस्पताल में भर्ती कराया गया। 24 अप्रैल को जब परिवार में पिता की तेहरवीं की रस्म चल रही थी, उसी दिन डॉक्टरों ने हर्ष को बेन डेड घोषित कर दिया। एनेस्थीसिया विभाग के डॉक्टरों की टीम को 23 अप्रैल को ही हर्ष में बेन डेड के संकेत मिलने लगे थे। इसके बाद डॉ. कुंदन मितल के नेतृत्व में चार चरिष्ठ डॉक्टरों की टीम गठित की गई, जिसने जांच कर पुष्टि की कि हर्ष का बेन स्टेम काम नहीं कर रहा है। हर्ष की एक किडनी पंचकूला स्थित आर्मी अस्पताल भेजी गई, जबकि लीवर को दिल्ली के इंस्टीट्यूट ऑफ लिवर एंड बिलियरी साइंसेज भेजा गया। अन्य अंगों का प्रत्यारोपण पीजीआईएमएस रोहतक में ही किया गया। पीजीआईएमएस के निदेशक डॉ. एसके सिंघल ने कहा कि हर्ष का यह योगदान समाज के लिए प्रेरणास्रोत है और उसके परिवार का यह निर्णय छह परिवारों के लिए जीवनदान बन गया।

### हर्ष के परिजनों ने समाज में मिसाल पेश की

कारण प्रभावित थी। वह पिछले तीन वर्षों से कॉर्निया ट्रांसप्लांट के लिए वॉंटिंग लिस्ट में था। हर्ष की आंखों के दान से उसका भी सफल ऑपरेशन किया गया और अब उसे भी नई जिंदगी मिलने की उम्मीद जगी है।

## बदला मौसम: देर रात शहर में तेज बरसात ने दिलाई गर्मी से राहत

# धूल भरी आंधी ने मचाया कहर बिजली-पानी को तरसे शहरवासी

### कई जगह बिजली के तार व खंभे टूटे, ट्रांसफार्मर जले, पेड़ भी गिरे

रोहतक। सोमवार देर रात अचानक चली धूल भरी तेज आंधी ने पूरे शहर की रफ्तार थाम दी। देखते ही देखते आसमान में धूल का गुबार छा गया और तेज हवाओं के साथ आई इस आंधी ने बिजली व्यवस्था को बुरी तरह झकझोर दिया। शहर से लेकर गांव तक कई जगहों पर बिजली के खंभे टूट गए, ट्रांसफार्मर जल गए और पेड़ों के गिरने से बिजली की तारें टूटकर जमीन पर आ गिरीं। नतीजा पूरा शहर अंधेरे में डूब गया और लोगों की रात परेशानी में कट गई। कई इलाकों में एक साथ चार बिजली के पोल गिर गए। दो ट्रांसफार्मर भी ओवरलोड और फाल्ट के चलते जल गए। गांवों में हालात और भी ज्यादा खराब रहे, जहां तेज हवाओं के कारण बड़े-बड़े पेड़ उखड़कर बिजली की लाइनों पर गिर पड़े। बिजली सप्लाई पूरी तरह ठप हो गई। शहर के कुछ परिया में बिजली सप्लाई ठप होने से पानी का संकट भी बना रहा। वहीं, मंगलवार देर रात आई तेज बरसात ने जहां मौसम को ठंडा कर दिया, वहीं लोगों को भीषण गर्मी से भी बड़ी राहत दी। कई स्थानों पर सड़कों पर पानी भर गया।

### रातभर गर्मी व मच्छरों से लोग परेशान, इनवर्टर दे गए जवाब

दिनभर चली मरम्मत  
रात को बरसात  
लंबे समय तक बिजली कट रहने के कारण लोगों के इनवर्टर भी ख़ाज हो गए। जिन लोगों को उम्मीद थी कि इनवर्टर से रात कट जाएगी, उन्हें भी निराशा हाथ लगी। सुबह तक इनवर्टर पूरी तरह डिस्चार्ज हो चुके थे। इसके चलते मोबाइल चार्जिंग, पंखे और लाइट जैसे बेसिक सुविधाएं भी ठप हो गईं। कामकाजों लोगों को दफ्तर जाने में भी दिक्कत हुई, क्योंकि न तो मोबाइल ठीक से चार्ज थे और न ही पानी की व्यवस्था।

### बिजली निगम की टीमों रातभर मरम्मत में जुटीं, सुबह हुई बहाली

लंबे समय तक बिजली कट रहने के कारण लोगों के इनवर्टर भी ख़ाज हो गए। जिन लोगों को उम्मीद थी कि इनवर्टर से रात कट जाएगी, उन्हें भी निराशा हाथ लगी। सुबह तक इनवर्टर पूरी तरह डिस्चार्ज हो चुके थे। इसके चलते मोबाइल चार्जिंग, पंखे और लाइट जैसे बेसिक सुविधाएं भी ठप हो गईं। कामकाजों लोगों को दफ्तर जाने में भी दिक्कत हुई, क्योंकि न तो मोबाइल ठीक से चार्ज थे और न ही पानी की व्यवस्था।

### अंधेरे में बीती रात, लोग छतों और आंगनों में बैठे

बिजली गुल होते ही लोगों की परेशानी बढ़ गई। गर्मी के बीच अचानक बिजली कटने से घरों में लगे पंखे और कुलर बंद हो गए। इनवर्टर कुछ समय तक तो सहारा देते रहे, लेकिन लंबा कट लगने के कारण वे भी जवाब दे गए। ऐसे में लोग छतों और आंगनों में बैठकर रात बिताने को मजबूर हो गए। शहर के कई इलाकों में लोगों ने बताया कि रात करीब 10 बजे के बाद बिजली गई और फिर देर रात तक वापस नहीं आई। बच्चों और बुजुर्गों को सबसे ज्यादा दिक्कत का सामना करना पड़ा। वहीं मच्छरों ने भी लोगों की नींद हराम कर दी।

### पानी का संकट भी गहराया

बिजली नहीं होने का सीधा असर पानी की सप्लाई पर भी पड़ा। मोटर नहीं चलने से घरों में पानी की किल्लत हो गई। सुबह होते-होते कई घरों में पानी पूरी तरह खत्म हो चुका था। लोगों को हेडपंप या आसपास के अन्य स्रोतों का सहारा लेना पड़ा। कुछ कॉलोनीयों में तो स्थिति इतनी खराब रही कि लोगों को पाने के पानी के लिए भी इंतजार करना पड़ा। महिलाओं को सुबह-सुबह पानी के इंतजार में जूटना पड़ा, जिससे दिनचर्या भी प्रभावित हुई। बाबरा मोहल्ला, माता दरवाजा, लाडोत रोड, वसंत विहार, रेलवे रोड, गोहाना अड्डा, सुखपुरा चौक, तेज कॉलोनी आदि एरिया में रात और सुबह बिजली न होने से पानी की सप्लाई भी बाधित रही।

### रातभर डटे रहे निगम कर्मि

आंधी के बाद बिजली बिजली व्यवस्था को पटरी पर लाने की पूरी जिम्मेदारी बिजली निगम के कर्मचारियों पर आ गई। जैसे ही नुकसान की सूचनाएं मिलने लगीं, विभाग की टीमें तुरंत अलग-अलग इलाकों में पहुंच गईं और बिना देर किए मरम्मत कार्य शुरू कर दिया। तेज हवाओं और अंधेरे के बावजूद कर्मचारियों ने जोखिम उठाकर काम किया और टूटे हुए बिजली पोल, झुकी लाइनों और क्षतिग्रस्त तारों को दुरुस्त करने में जुटे रहे। कई स्थानों पर हालात काफी चुनौतीपूर्ण थे, क्योंकि पेड़ गिरने से तार पूरी तरह उलझ गए थे और पोल भी क्षतिग्रस्त हो चुके थे। ऐसे में कर्मचारियों को पहले रास्ता साफ करना पड़ा, फिर मरम्मत कार्य शुरू किया गया।

### मोबाइल मेडिकल वैन से गांव-गांव पहुंचेगी पीजीआई की स्वास्थ्य सेवा

## डेंटल, ईएनटी और स्किन रोगों की अब घर-घर जांच

हरिगुप्त न्यूज || रोहतक  
अत्याधुनिक उपकरणों से लैस यूनिट में एक्स-रे, एंडोस्कोपी और आंडियोमीटर की सुविधा  
हर माह स्वास्थ्य शिविर लगाकर ज्यादा से ज्यादा मरीजों को मिलेगा लाभ

रोहतक स्थित पीडित भगवत दयाल शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय (पीजीआईएमएस) ने ग्रामीण और दूरदराज क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। एलपीएस बोसाई कंपनी के सहयोग से एक अत्याधुनिक मोबाइल मेडिकल यूनिट शुरू की गई है, जो अब गांव-गांव जाकर लोगों को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराएगी। इस मोबाइल यूनिट में डेंटल, ईएनटी (कान-नाक-गला) और त्वचा रोगों की जांच के लिए आधुनिक उपकरण लगाए गए हैं। इसमें दो अत्याधुनिक डेंटल चेयर, पोर्टेबल एक्स-रे मशीन, एंडोस्कोप, एलईडी ओटोस्कोप और मिनी ऑडियोमीटर जैसी सुविधाएं शामिल हैं। इन उपकरणों की मदद से स्वास्थ्य शिविरों में मरीजों की सटीक जांच और प्रारंभिक उपचार किया जा सकेगा। एलपीएस बोसाई के एमडी

राजेश जैन ने बताया कि उनकी संस्था पहले से ही समाज सेवा के लिए ब्लड डोनेशन, आई चैकअप और मैमोग्राफी बसें चलाई रही है। यह चौथी मोबाइल यूनिट है, जिसे विशेष रूप से दंत, ईएनटी और स्किन रोगों के इलाज के लिए तैयार किया गया है। कुलपति डॉ. एचके अग्रवाल ने कहा कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य सिर्फ अस्पताल तक सीमित नहीं है, बल्कि हर जरूरतमंद तक स्वास्थ्य सेवा पहुंचाना है। निदेशक डॉ. एसके सिंघल ने बताया कि इस यूनिट से बीमारियों का शुरुआती चरण में ही पता चल सकेगा, जिससे इलाज आसान और कम खर्चीला होगा। पीजीआई हर माह स्वास्थ्य शिविर आयोजित कर अधिक से अधिक लोगों को इसका लाभ पहुंचाने की योजना बना रहा है।

## स्टूडेंट गाइड जिले के कॉलेजों में 1000 सीटों पर मिल रहा दाखिले का मौका

## जावा, पायथन, C++ जैसी प्रोग्रामिंग लैंग्वेज में मिलती है महारत

रोहित डागर || रोहतक  
डिजिटल क्रांति के इस दौर में कंप्यूटर और सूचना प्रौद्योगिकी हर क्षेत्र को जूरूत बन चुके हैं। ऐसे में 12वीं के बाद करियर को लेकर असमंजस में रहने वाले विद्यार्थियों के लिए बैचलर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन (बीसीए) एक मजबूत और व्यावहारिक विकल्प बनकर उभरा है। यह कोर्स न केवल तकनीकी ज्ञान देता है, बल्कि छात्रों को इंडस्ट्री के अनुरूप रिस्कल्स से भी लैस करता है। प्रोग्रामिंग, सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट, वेब डिजाइनिंग और डेटा मैनेजमेंट जैसे क्षेत्रों में विशेषज्ञता हासिल कर छात्र आईटी सेक्टर में अपनी जगह बना सकते हैं। खास बात यह है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, साइबर सिक्योरिटी और क्लाउड कंप्यूटिंग जैसे उभरते क्षेत्रों में भी बीसीए के छात्रों की मांग तेजी से बढ़ रही है। जिले के विभिन्न कॉलेजों में उपलब्ध यह कोर्स युवाओं को नौकरी के साथ-साथ स्टार्टअप के अवसर भी प्रदान कर रहा है, जिससे उनका भविष्य और अधिक संभावनाओं से भर रहा है।

## कोर्स का यह फायदा

नेकीराम कॉलेज के कंप्यूटर साइंस विभाग अध्यक्ष डॉ. सुजाता के अनुसार, यह कोर्स अपनी व्यावहारिक (प्राॅक्टिकल) पद्धति के लिए जाना जाता है, जिसमें छात्रों को जावा, पायथन, सी प्लस प्लस जैसी प्रोग्रामिंग भाषाओं के साथ-साथ सॉफ्टवेयर और वेब विकास के आधुनिक गुर सिखाए जाते हैं। अब केवल सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट ही नहीं, बल्कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और साइबर सिक्योरिटी जैसे क्षेत्रों में विशेषज्ञता की भारी मांग है।

## 12वीं के बाद बीसीए: आईटी सेक्टर में सफलता का सबसे स्मार्ट रास्ता

कोर्स का यह फायदा  
नेकीराम कॉलेज के कंप्यूटर साइंस विभाग अध्यक्ष डॉ. सुजाता के अनुसार, यह कोर्स अपनी व्यावहारिक (प्राॅक्टिकल) पद्धति के लिए जाना जाता है, जिसमें छात्रों को जावा, पायथन, सी प्लस प्लस जैसी प्रोग्रामिंग भाषाओं के साथ-साथ सॉफ्टवेयर और वेब विकास के आधुनिक गुर सिखाए जाते हैं। अब केवल सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट ही नहीं, बल्कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और साइबर सिक्योरिटी जैसे क्षेत्रों में विशेषज्ञता की भारी मांग है।

कॉलेज नाम	सीट	फीस
नेकीराम कॉलेज	120	10280
राजकीय महिला महाविद्यालय	440	5552
जाट कॉलेज	200	32650
गोड कॉलेज	120	27000
हिंदू कॉलेज	180	483000
वैश्य कॉलेज	60	27300
एसजेके कॉलेज कलानौर	60	24998
सैनी कॉलेज	60	25000
गवर्नमेंट कॉलेज महम	80	9600

### करियर की परिभाषा बदली

आज के दौर में ग्राफिक्स डिजाइनिंग, वीडियो एडिटिंग, एनिमेशन, डेटाबेस एडमिनिस्ट्रेशन और क्लाउड कंप्यूटिंग जैसे विकल्पों ने करियर की परिभाषा बदल दी है। आईटी क्षेत्र के अलावा बैंकिंग, हॉस्पिटल मैनेजमेंट (डेटा स्टोरेज) और बड़े मॉल्स में भी डेटा को संग्रहीन के लिए कंप्यूटर एक्सपर्ट्स की आवश्यकता निरंतर बढ़ रही है। बीसीए का अपडेटेड सिलेबस अब इतना एडवांस हो चुका है कि यह छात्रों को न केवल कॉर्पोरेट नौकरियों के लिए तैयार करता है, बल्कि उन्हें खुद का स्टार्टअप शुरू करने के लिए भी सक्षम बनाता है।

पानी की मार से जूझते खेत, अब बन रहे कमाई का जरिया योजनाओं का मकसद सिर्फ आय बढ़ाना नहीं जलमाराव से भी निपटना

# 30 साल से जलभराव बना चुनौती नीली खेती बनेगी कमाई का जरिया मछली पालन की 9.23 करोड़ की परियोजनाएं स्वीकृत

- मीठे पानी से लेकर झींगा पालन तक का विस्तार
- कम जमीन में ज्यादा मुनाफा, आय के नए आयाम
- सरकारी सब्सिडी से आसान हो रहा रास्ता
- सोच में बदलाव पानी अब समस्या नहीं, संभावना

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक



## योजनाओं का लाभ उठाएं

प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत अनुसूचित जाति व महिलाओं को 60 प्रतिशत एवं सामान्य वर्ग को 40 प्रतिशत अनुदान दिया जाता है। जिला के किसानों से आह्वान है कि वे अपनी जलमग्न एवं लवणीय/खेमवस्त भूमि में मछली पालन कर सरकार द्वारा किया जा रहा है। योजनाओं का लाभ उठाएं। मत्स्य पालन स्वरोजगार का उत्तम साधन है। मत्स्य पालन से किसान प्रति एकड़ अर्द्ध लाख रुपये साढ़े 4 लाख रुपये तक वार्षिक आय प्राप्त कर सकता है।

## 60 प्रतिशत तक सब्सिडी

सरकार भी इस बदलाव को गति देने में अहम भूमिका निभा रही है। अनुसूचित जाति और महिला किसानों को 60 प्रतिशत तक सब्सिडी दी जा रही है, जबकि अन्य किसानों को 40 प्रतिशत तक अनुदान मिलता है। अलावा निर्माण, मछली आहार और उपकरणों पर भी आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। इससे छोटे और सीमांत किसानों के लिए इस क्षेत्र में प्रवेश आसान हो रहा है। जलमाराव की समस्या को देखते तो जिले के कई गांवों में खेतों में हफलों की पानी भरा रहता है। इससे खरीफ फसलों खराब हो जाती हैं और खेती की बुवाई भी समय पर नहीं हो पाती। कई किसान तो पूरे सीजन की खेती से वंचित रह जाते हैं। ऐसे में मत्स्य पालन एक व्यावहारिक और टिकाऊ विकल्प बनकर सामने आया है, जो न सिर्फ नुकसान को कम करता है बल्कि आय का स्थायी स्रोत भी बनता है।

## 2026-27 के लिए जिले में मत्स्य पालन को बढ़ावा देने के लिए

वर्ष 2026-27 के लिए जिले में मत्स्य पालन को बढ़ावा देने के लिए

## आकर्षक निवेश बनाते

योजना के तहत 20 हेक्टरपर क्षेत्र में मीठे पानी की मछली पालन इकाइयां विकसित की जाएंगी, जबकि खारे पानी वाले क्षेत्रों में 31 झींगा पालन यूनिट स्थापित करने का लक्ष्य है। खास बात यह है कि जिन किसानों की जमीन लवणीय, खेमवस्त या लंबे समय तक जलमग्न रहती है, वे भी अब इस योजना से जुड़कर अपनी भूमि को उत्पादक बना सकते हैं। एक एकड़ में मछली पालन से सालाना 2.5 लाख से 4.5 लाख रुपये तक की आमदनी संभव है। वहीं झींगा पालन में यह आंकड़ा 4 से 5 लाख रुपये प्रति एकड़ तक पहुंच सकता है। हालांकि झींगा यूनिट की शुरुआती लागत करीब 14 लाख रुपये होती है, लेकिन बाजार में इसके मांग और बेहतर रिटर्न इसे आकर्षक निवेश बनाते हैं।

## इसे नीली खेती का उभरता हुआ मॉडल मान रहे हैं, जहां पानी अब दुश्मन नहीं बल्कि साझेदार बन

रहा है। ध्यान रहे कि वर्ष 1995 में आई बाढ़ के बाद से जिला जलभराव से जूझ रहा है।

## दिख रही बदलाव की लहर

कृषि वैज्ञानिकों के मुताबिक यदि जल प्रबंधन, ड्रेनेज सिस्टम और फसल विविधीकरण के साथ मत्स्य पालन को जोड़ा जाए, तो यह मॉडल जिले की कृषि अर्थव्यवस्था को नई दिशा दे सकता है। इससे न केवल अनुपयोगी भूमि का उपयोग बढ़ेगा, बल्कि ग्रामीण रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे। खेतों में अब बदलाव की लहर दिखने लगी है। जहां कभी पानी ठहरकर फसलों को डुबो देता था, वहीं अब वही पानी मछलियों के जरिए आमदनी का जरिया बन रहा है। यह बदलाव सिर्फ खेती का नहीं, सोच का भी है। जहां चुनौती को अवसर में बदलने की कोशिश साफ नजर आती है।

## इसे नीली खेती का उभरता हुआ मॉडल मान रहे हैं, जहां पानी अब दुश्मन नहीं बल्कि साझेदार बन

रहा है। ध्यान रहे कि वर्ष 1995 में आई बाढ़ के बाद से जिला जलभराव से जूझ रहा है।

## मंडी में गेहूं खरीद गड़बड़ियों की सीएम को दी शिकायत

सांपला। अनाज मंडी में गेहूं खरीद में गड़बड़ियां चल रही हैं। इसको लेकर मार्केट कमेटी चेयरमैन उदयमान मलिक ने सीएम और कृषि मंत्री व खरीद एजेंसी एमडी को शिकायत भेजी है। सांपला अनाज मंडी में वेयर हाउस और हेफेड एजेंसी द्वारा गेहूं की खरीद की जा रही है। खरीद के साथ उठान भी जारी है। एजेंसी के गोदाम तक गेहूं पहुंचने से पहले गेहूं के बीगों से भरे वाहनों का धर्म कांटे पर वजन किया जाता है। उसके बाद एजेंसी द्वारा गोदाम पर तुलाई की जाती है। शिकायत थी कि धर्म कांटे पर वजन ठीक नहीं किया जाता। इसके अलावा खरीद एजेंसी द्वारा गेहूं गोदाम पर पहुंचने पर पकड़ी रसीद नहीं दी जा रही। इन शिकायतों के बाद मार्केट कमेटी चेयरमैन उदयमान मलिक ने

## सांपला अनाज मंडी में लगातार हो रहा था तुलाई में गोलमाल

आदली एक्सप्लेन के प्रधान सहित आदतियों को भी मोजुदगी में धर्म कांटे और एजेंसी द्वारा दी जाने वाली रसीद की पड़ताल की। जिसमें धर्म कांटे पर करीब एक सेंटिलर वजन कम दिखाया गया था। इसके अलावा एजेंसी द्वारा पकड़ी रसीद भी नहीं दी जा रही थी। इस संबंध में चेयरमैन उदयमान मलिक ने सीएम नाथ सेनी और कृषि मंत्री और वेयर हाउस एमडी को शिकायत कर दी। सरकार ने पहले ही आदेश जारी किए थे की माप-तोल की कच्ची रसीद की जगह पकड़ी रसीद दी जाएगी। चेयरमैन ने बताया कि नापतोल विभाग ने धर्म कांटे पर सील लगा दी है।

## मांगों नहीं मानी गईं तो आंदोलन को अनिश्चितकालीन हड़ताल में बदलेंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक



रोहतक। अपनी मांगों के लिए प्रदर्शन करते कर्मचारी। फोटो: हरिभूमि

हरियाणा के अग्निशमन विभाग के कर्मचारियों की राज्यव्यापी हड़ताल मंगलवार को 21वें दिन में प्रवेश कर गई। रोहतक मुख्य दमकल केंद्र पर जारी इस धरने की अध्यक्षता जिला प्रधान सोनू हुड्डा ने की। इस दौरान कर्मचारियों ने नई रणनीति के तहत क्रमिक भूख हड़ताल शुरू कर दी। कर्मचारियों ने स्पष्ट किया कि वे मंत्री की धमकियों से पीछे नहीं हटेंगे। यदि मांगों नहीं मानी गईं, तो नगर पालिका कर्मचारियों के सहयोग से

आपदा प्रबंधन मंत्री विपुल गोयल के उस बयान पर तीखी प्रतिक्रिया दी, जिसमें उन्होंने विभाग का कार्य सुचारू रूप से चलने का दावा किया था। हुड्डा ने कहा कि यह बयान जमीनी हकीकत से परे और गैर-जिम्मेदाराना है। उन्होंने आंकड़ों के हवाले करते हुए बताया कि प्रदेश के 2208 कर्मियों में से 1648 कर्मचारी हड़ताल पर हैं, जिससे भीषण गर्मी में आगजनी की घटनाओं पर काबू पाना मुश्किल हो रहा है।

## फसल अवशेष जलाने वाले किसानों पर दर्ज की जाए एफआईआर, गश्त भी बढ़ाएं

उपायुक्त ने अधिकारियों की बैठक में दिए सख्त निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक



जाए। उपायुक्त ने किसानों को मेरा पानी-मेरी विरासत योजना के तहत फसल विविधीकरण अपनाने के लिए जागरूक करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि फसल अवशेषों के उचित प्रबंधन के लिए किसानों को प्रोत्साहित किया जाए, ताकि पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ मिट्टी की सेहत भी बेहतर हो सके। माडोधी जाटान गांव में धान की सीधी बिजाई को बढ़ावा देने के निर्देश भी दिए गए।

## गेहूं फसल के अवशेषों को जलाने पर तुरंत प्रभाव से प्रतिबंध लागू: एसडीएम

महम। पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए उपमंडल स्तर पर गेहूं फसल के अवशेष (फाने) जलाने पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगाने के निर्देश जारी किए गए हैं। उपमंडल



अधिकारी (नागरिक) विपिन कुमार द्वारा जारी आदेशों में कहा गया है कि गेहूं फसल के अवशेषों को जलाने से वातावरण प्रदूषित होता है, जिससे आमजन के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है तथा मिट्टी की उर्वरता भी प्रभावित होती है। उन्होंने बताया कि फसल अवशेष जलाने से हवा में हानिकारक गैसों एवं धुआं फैलता है, जो श्वसन संबंधी बीमारियों को बढ़ावा देता है और पर्यावरण सतुलन को भी प्रभावित करता है। इसके साथ ही जीव-जंतुओं पर भी इसका नकारात्मक असर पड़ता है। विपिन कुमार ने किसानों से अपील की है कि वे गेहूं के फाने जलाने और पर्यावरण संरक्षण में अपना सहयोग दें। किसानों को फसल अवशेष प्रबंधन के वैकल्पिक उपाय अपनाने के लिए भी प्रेरित किया गया है, ताकि भूमि की गुणवत्ता बनी रहे और प्रदूषण से बचाव हो सके। जारी निर्देशों के अनुसार आदेशों की अवहेलना करने पर संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

## टेक्नीशियन अशोक गुलाटी ने भाई सुरेंद्र की पुण्य स्मृति पर पेश की सेवा की मिसाल

वीसी बोले, जब कर्मचारी संस्थान को परिवार मानकर सेवा करते हैं तो यही विकास की सबसे बड़ी गारंटी है

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

सेवा और संवेदना की मिसाल पेश करते हुए पंडित भगवत दयाल शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय की चौधरी रणबीर सिंह ओपीडी में तैनात ओटी टेक्नीशियन अशोक गुलाटी ने अपने दिवंगत भाई स्वर्गीय सुरेंद्र गुलाटी की पुण्य स्मृति में हड्डी रोग विभाग की ओपीडी में एक वाटर कूलर दान किया। इस नेक पहल से गर्मी में इलाज के लिए आने वाले सैकड़ों मरीजों और उनके तीमारदारों को शीतल जल की सुविधा मिलेगी। यह कहना है समाजसेवी हिमांशु ग्रावर का, वें मंगलवार को ओपीडी में वाटर कूलर का शुभारंभ करने पहुंचे थे। उन्होंने वाटर कूलर का रिबन काटकर शुभारंभ किया।

## किसानों से अपील

डॉसी ने किसानों से अपील की कि वे जैजिक उपाय अपनाकर भूमि की सेहत सुधारें। उन्होंने केंचुआ खाद, गोबर खाद और हरी खाद के उपयोग पर बल देते हुए कहा कि इससे मिट्टी में पोषक तत्वों की पूर्ति होगी और उत्पादन में वृद्धि होगी। बैठक में बताया गया कि जिले के आसन, रिठाल फौगाट, किलोई खास और किलोई दोपाणा गांवों में सब-सर्पेस ड्रेनेज का कार्य शुरू कर दिया गया है, जिससे सेम (जलमाराव) की समस्या का समाधान किया जाएगा। वहीं कलानीर कलां और माडोधी जाटान-राजधान क्षेत्र की लवणीय भूमि के सुधार के लिए करीब साढ़े चार करोड़ की परियोजना पर काम चल रहा है। इस परियोजना के तहत वटिकल ड्रेनेज सिस्टम स्थापित किया जाएगा। दोनों क्षेत्रों की करीब 3000 एकड़ भूमि इस योजना से लाभान्वित होगी। गेहूं कटाई के बाद यहां 20-20 सेंटीमीटर आधरित ड्रेनेज ट्यूबवेल भी लगाए जाएंगे।



महम। सेमिनार को संबोधित करते हुए ऑर्गेन इंडिया की प्रोजेक्ट एक्सप्लैट दिया गुसेम।

## अंगदान केवल निर्णय नहीं, जानवता की सबसे बड़ी सेवा

महम। राजकीय महाविद्यालय ऑर्गेन डोनेशन विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार का शुभारंभ प्रचार्य डॉक्टर सत्यवत सोलंकी ने किया। इस कार्यक्रम में मुख्य प्रवक्ता के तौर पर ऑर्गेन इंडिया की तरफ से प्रोजेक्ट एक्सप्लैट दिया गुसेम ने विद्यार्थियों को ऑर्गेन डोनेशन के बारे में जागरूक किया। उन्होंने कहा कि अंगदान केवल एक निर्णय नहीं, बल्कि मानवता की सबसे बड़ी सेवा है। एक व्यक्ति मृत्यु के पश्चात 8 लोगों को नया जीवन दे सकता है। इस सेमिनार में विद्यार्थियों ने बड़-बड़कर भाग लिया। कार्यक्रम में डॉ. दीपक कुमार, डॉ. वर्षा, प्रियंका, आरजू व सुदेश मौजूद रहे।

ऑर्गेन डोनेशन को लेकर कॉलेज विद्यार्थियों को किया जागरूक

## न्यूज डायरी



रोहतक। मीटिंग में मौजूद चुनाव के सामान्य पर्यवेक्षक नरेंद्र कुमार और रिटर्निंग अधिकारी अंकिता। फोटो: हरिभूमि

## सांपला नया चुनाव स्टाफ का प्रथम रेंडोमाइजेशन

रोहतक। सांपला नगर पालिका के आम चुनाव को निष्पक्ष और पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने की दिशा में प्रशासन ने महत्वपूर्ण कदम उठाया है। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त सचिन गुप्ता, चुनाव के सामान्य पर्यवेक्षक नरेंद्र कुमार और रिटर्निंग अधिकारी अंकिता पुवार की मौजूदगी में मतदान रटाफ का प्रथम रेंडोमाइजेशन किया गया। यह प्रक्रिया लघु सचिवालय स्थित सभागार में संपन्न हुई। गुप्ता ने बताया कि राज्य निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुसार चुनाव प्रक्रिया को पूरी तरह निष्पक्ष बनाए रखने के लिए रेंडोमाइजेशन प्रणाली अपनाई जाती है। डॉसी ने बताया कि नया क्षेत्र में कुल 16 वार्ड हैं और 16 मतदान केंद्र स्थापित किए गए हैं। प्रत्येक मतदान केंद्र पर एक पीठासीन अधिकारी, एक वैकल्पिक पीठासीन अधिकारी और दो मतदान अधिकारियों की नियुक्ति की जाएगी। मौके पर सहायक रिटर्निंग अधिकारी अशोक कुमार, चुनाव तहसीलदार सरला, डीआईओ महेश भारद्वाज सहित अन्य संबंधित अधिकारी भी उपस्थित रहे।



रोहतक। अरविंद यादव का स्वागत करते जिलाध्यक्ष एडवोकेट रणवीर सिंह ढाका।

## प्रशिक्षण संगठन की मजबूती का आधार: रणवीर सिंह ढाका

रोहतक। 16-17 मई को आयोजित होने वाले भाजपा जिला प्रशिक्षण शिबिर की तैयारियों को लेकर भाजपा द्वारा मंगलकमल कार्यालय में बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष एडवोकेट रणवीर सिंह ढाका ने की। इस जिला प्रशिक्षण शिबिर के लिए प्रशिक्षण पर्यवेक्षक की जिम्मेदारी अरविंद यादव को दी गई। हरिओम मित्तल को जिला प्रशिक्षण प्रमुख, पूर्व विधायक सरिता नारायण को प्रशिक्षण संयोजक, प्रतिभा सुमन को प्रशिक्षण वर्ग प्रमुख और अशोक कुमर को प्रदर्शनी प्रमुख का दायित्व दिया गया है। बैठक में प्रशिक्षण शिबिर को सफल एवं प्रभावी बनाने के लिए विभिन्न व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। जिलाध्यक्ष एडवोकेट रणवीर सिंह ढाका ने सभी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियां सौंपते हुए कहा कि प्रशिक्षण शिबिर संगठन की मजबूती का आधार होता है। जिला मीडिया प्रभारी पंकज भारद्वाज ने बताया इस अवसर पर जिला प्रभारी सत्येंद्र परमार, बीर सिंह हुड्डा, सुखबीर चंदेलिया, नवीन लाल, वीणा सिक्का, निरिन जैन, शिव परमार, अंशु शर्मा, कविता इंदौर, बबिता सेनी, अमित बंसल, ललित भारद्वाज, विकास पवार, रवि हुड्डा, अंकित शर्मा, रेखा रोहिल्ला एवं अन्य प्रमुख कार्यकर्ता उपस्थित रहे।



रोहतक। विभिन्न विभागों के अधिकारी की बैठक लेते डॉसी

## बागवानी बढ़ाने के लिए करें किसानों को प्रेरित: उपायुक्त

रोहतक। जिले में किसानों की आय बढ़ाने और कृषि को विविधता देने के उद्देश्य से उपायुक्त सचिन गुप्ता ने उद्यान विभाग के अधिकारियों को बागवानी क्षेत्र का विस्तार करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि किसानों को पारंपरिक खेती के साथ-साथ बागवानी फसलों की ओर प्रेरित किया जाए, ताकि उनकी आमदनी में स्थायी वृद्धि हो सके। कैंप कार्यालय में मंगलवार को आयोजित समीक्षा बैठक में उपायुक्त ने मधुमत्स्य पालन को प्रोत्साहित करने पर विशेष जोर दिया। साथ ही, जिला प्रशासन द्वारा संचालित सांडा बाजार के माध्यम से स्वयं सहायता समूह शहद की बिक्री में सहयोग करेंगे। इससे मधुमत्स्य पालकों की आय बढ़ेगी और उपभोक्ताओं को गुणवत्ता युक्त शहद उपलब्ध हो सकेगा। उपायुक्त ने बताया कि सरकार द्वारा शहद को भावार्थ भरपाई योजना में शामिल किया गया है, जिससे यह व्यवसाय अधिक सुरक्षित और लाभकारी बन रहा है। इस वर्ष 23 मधुमत्स्य पालकों ने पंजीकरण कराया है, जिनमें से 7 की वैरिफिकेशन और 2 की बांडिंग की जा चुकी है। डॉसी ने मशरूम उत्पादन को भी आमदनी का प्रमुखी माध्यम बताते हुए किसानों को इसके लिए प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए। इसके अलावा माडोधी जाटान गांव को मॉडल गांव के रूप में विकसित करने की योजना के तहत उद्यान विभाग को एक माह की कार्य योजना तैयार करने को कहा गया है।

## नाई की स्मृति को हजारों की दुआओं से जोड़ दिया: सिंघल

कुलपति डॉ. एचके अग्रवाल ने कहा कि पीजीआईएमएस परिवार सिर्फ इलाज ही नहीं, इंसानियत की पाठशाला भी है। अशोक गुलाटी जैसे कर्मचारी जब अपने निजी दुख को समाजसेवा में बदलते हैं तो पूरा संस्थान गौरवान्वित होता है। विश्वविद्यालय प्रशासन ऐसे हर सहयोग का स्वागत करता है। कुलसचिव और हड्डी रोग विभाग अध्यक्ष डॉ. रूप सिंह ने अशोक गुलाटी के कार्य की सराहना करते हुए कहा कि किसी भी संस्थान की असली पूंजी उसके कर्मचारी होते हैं। जब कर्मचारी संस्थान को अपना परिवार मानकर सेवा करते हैं, तो वह विकास की सबसे बड़ी गारंटी है। अशोक ने भाई की स्मृति में जो दान दिया है, वह आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बनेगा। निदेशक डॉ. एस. के. सिंघल ने कहा कि हड्डी रोग ओपीडी में रोज 400 से 500 मरीज आते हैं। कई बुजुर्ग, दिवांग और दूर-दराज से आए लोग घंटों लाइन में लगते हैं। अशोक गुलाटी ने अपने भाई की स्मृति को हजारों लोगों की दुआओं से जोड़ दिया। डॉ. एस. के. सिंघल ने कहा कि डॉक्टर दवा देता है, लेकिन सेवा भाव ही सेवा देता है। मैं अन्य रटाफ और समाजसेवियों से भी अनुरोध करता हूँ कि वे आगे आए, एक छोटा सा सहयोग किसी की बड़ी तकलीफ दूर कर सकता है। डॉ. सिंघल ने कहा कि पीजीआईएमएस में हर दिन हजारों लोग आते हैं। अगर हर सक्षम व्यक्ति अपनी क्षमता अनुसार छोटा-सा सहयोग भी करें।

अपनों की स्मृति में रक्तदान, राजेश रोहिल्ला, राजेंद्र यादव, अंगदान शपथ पत्र, पौधरोपण या जल सेवा जैसे कार्य जरूर करें। इस अवसर पर डॉ. आशीष देवान, डॉ. रामकेश, रमेश कुमार, सुनील सहित विभाग के कई कर्मचारी और आमजन उपस्थित रहे।

# आज गुंजेगा राष्ट्रीय क्रिकेट का बिगुल, जिला खेल महाकुंभ की मेजबानी के लिए तैयार रोहताक में 27 राज्यों की क्रिकेटर बेटियां दिखाएंगी अपना कौशल



रोहताक। पत्रकारों से बातचीत करते जिला शिक्षा अधिकारी मंजीत मलिक व अन्य शिक्षा। फोटो: हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहताक

जिला रोहताक बड़े खेल महाकुंभ की मेजबानी के लिए पूरी तरह तैयार है। जिला शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित की जा रही अंडर-17 गर्ल्स राष्ट्रीय क्रिकेट चैंपियनशिप का आगज होने जा रहा है। जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग ने इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता की सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। इस खेल उत्सव का शुभारंभ उपायुक्त सचिन गुप्ता की

अध्यक्षता में होगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व मंत्री मनोष प्रोवर शिरकत करेंगे, जबकि भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष सतीश नांदल विशिष्ट अतिथि के तौर पर मौजूद रहेंगे। उद्घाटन समारोह को और भी भव्य बनाने के लिए विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी जाएगी। क्रिकेट के खेल मैदानों को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप तैयार किया गया है। विभिन्न राज्यों से आने वाली टीमों के ठहरने और उत्तम भोजन की व्यवस्था सुनिश्चित

की गई है। खिलाड़ियों के सुगम आवागमन के लिए परिवहन और आपातकालीन स्थिति के लिए मेडिकल टीमें तैनात रहेंगी। जिला शिक्षा अधिकारी मंजीत मलिक ने बताया कि इस प्रतियोगिता में देश के विभिन्न हिस्सों से 27 टीमों हिस्सा ले रही हैं। उन्होंने कहा कि यह आयोजन न केवल छात्राओं के खेल कौशल को निखारने का काम करेगा, बल्कि उनमें अनुशासन और राष्ट्रीय एकता की भावना भी पैदा करेगा।

## जंग रोप चैंपियनशिप में वेदांता स्कूल के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन किया

रोहताक। जैन पब्लिक स्कूल माता दरवाजा जींद रोड पर आयोजित 18वीं इंटर स्कूल जिला स्तरीय जंग रोप चैंपियनशिप में वेदांता स्कूल के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया। प्रतियोगिता का आयोजन जैन पब्लिक स्कूल के प्रांगण में उत्साह और खेल भावना के साथ संपन्न हुआ। अंडर-17 वर्ग में मुस्कान व सोनिया, अंडर-14 वर्ग में मनीष और अंडर-10 वर्ग में आयुष व अंश ने गोल्ड मेडल जीतकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्य सोनिया खट्टर ने सभी विजेता खिलाड़ियों को आशीर्वाद देते हुए कहा कि खेल न केवल शारीरिक विकास का माध्यम है, बल्कि अनुशासन, आत्मविश्वास और टीम भावना भी सिखाता है। उन्होंने बच्चों को भविष्य में भी इसी तरह मेहनत करते रहने और उच्च स्तर पर विद्यालय व प्रदेश का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया। टीम के साथ पूरे समय मार्गदर्शन करने वाले फिजिकल टीचर भूपेंद्र जी की भूमिका सराहनीय रही। उनके निरंतर प्रशिक्षण, मेहनत और समर्पण का ही परिणाम है कि विद्यार्थियों ने यह उत्कृष्ट सफलता प्राप्त की। विद्यालय प्रबंधन एवं समस्त स्टाफ ने सभी विजेताओं को हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।



रोहताक। विजेताओं को हार्दिक बधाई देते प्रधानाचार्य सोनिया खट्टर व अन्य।

समाज में बड़ा बदलाव लाने की क्षमता रखते हैं छोटे-छोटे प्रयास

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहताक

धीमधीम और लगातार बढ़ते तापमान के बीच सामाजिक सरोकारों को आगे बढ़ाते हुए रोहताक क्लब रोहताक सेंट्रल ने मंगलवार को एक सराहनीय पहल की है। क्लब द्वारा राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, काहनौर में छात्राओं के लिए एक वाटर कूलर भेंट किया गया।

इस पहल से विद्यालय की छात्राओं को स्वच्छ और ठंडा पेयजल उपलब्ध हो सकेगा, जो गर्मी के मौसम में उनके स्वास्थ्य के लिए बेहद आवश्यक है। यह सेवा कार्य सुनीता रानी मनचंदा के सहयोग से संभव हुआ। विद्यालय परिसर में आयोजित एक संक्षिप्त कार्यक्रम के दौरान वाटर कूलर को औपचारिक रूप से स्कूल प्रबंधन को सौंपा गया। उपस्थित ननों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे छोटे-छोटे प्रयास समाज में बड़ा बदलाव लाने की क्षमता रखते हैं।

# रोहताक क्लब ने काहनौर के स्कूल में दिया वाटर कूलर



रोहताक। रोहताक क्लब के अध्यक्ष रोहताक सुमित पटवर्गी ने इस अवसर पर कहा कि क्लब का उद्देश्य केवल सेवा कार्य करना ही नहीं, बल्कि समाज के जरूरतमंद वर्ग तक बुनियादी सुविधाएं पहुंचाना भी है। उन्होंने बताया कि क्लब समय-समय पर विद्यालय का दौरा करता रहेगा ताकि छात्राओं को मिलने वाली सुविधाओं का आकलन किया जा सके। साथ ही भविष्य में यहां वाटर आरओ सिस्टम स्थापित करने की भी योजना बनाई जा रही है, जिससे छात्राओं को और अधिक शुद्ध एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराया जा सके। उन्होंने आगे कहा कि सेवा ही सर्वोपरि के सिद्धांत पर चलते हुए रोहताक क्लब निरंतर समाज के विभिन्न वर्गों के लिए कार्य करता रहेगा। शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में इस प्रकार की पहलें विद्यार्थियों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने में अहम भूमिका निभाती हैं।

## सिर्फ सेवा नहीं, समाज के जरूरतमंद वर्ग तक बुनियादी सुविधाएं पहुंचाना भी उद्देश्य

रोहताक। रोहताक क्लब के अध्यक्ष रोहताक सुमित पटवर्गी ने इस अवसर पर कहा कि क्लब का उद्देश्य केवल सेवा कार्य करना ही नहीं, बल्कि समाज के जरूरतमंद वर्ग तक बुनियादी सुविधाएं पहुंचाना भी है। उन्होंने बताया कि क्लब समय-समय पर विद्यालय का दौरा करता रहेगा ताकि छात्राओं को मिलने वाली सुविधाओं का आकलन किया जा सके। साथ ही भविष्य में यहां वाटर आरओ सिस्टम स्थापित करने की भी योजना बनाई जा रही है, जिससे छात्राओं को और अधिक शुद्ध एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराया जा सके। उन्होंने आगे कहा कि सेवा ही सर्वोपरि के सिद्धांत पर चलते हुए रोहताक क्लब निरंतर समाज के विभिन्न वर्गों के लिए कार्य करता रहेगा। शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में इस प्रकार की पहलें विद्यार्थियों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने में अहम भूमिका निभाती हैं।

## छात्राओं के लिए बड़ी राहत साबित होगा

इस अवसर पर काहनौर के पूर्व सचरप अमित कादयान, गीत पटवर्गी, प्रीति चुध, कंचन चुध, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुरेश भूटानी, पुष्पकित जैन, छवि जैन और मोनिका जैन सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। सभी ने रोहताक क्लब के इस प्रयास की सराहना करते हुए इसे प्रेरणादायक कदम बताया। गर्मी के इस दौर में जहां प्यास और पानी की समस्या आम हो जाती है, वहीं यह वाटर कूलर छात्राओं के लिए बड़ी राहत साबित होगा। रोहताक क्लब रोहताक सेंट्रल की यह पहल न केवल सेवा का उदाहरण है, बल्कि समाज में सहयोग और जिम्मेदारी की भावना को भी मजबूत करती है।

# मॉकटेल मेकिंग वर्कशॉप में छात्रों ने सीखीं मिक्सोलॉजी की बारीकियां

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहताक

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू) के इंस्टीट्यूट ऑफ होटल एंड टूरिज्म मैनेजमेंट (आईएचटीएम) में वीबा के सहयोग से मॉकटेल मेकिंग वर्कशॉप का आयोजन किया गया। कार्यशाला में मिक्सोलॉजी की कला पर विशेष फोकस किया गया, जिसमें प्रतिभागियों को क्लासिक और फ्यूजन मॉकटेल बनाने का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया। विशेषज्ञ मिक्सोलॉजिस्ट हरदीप सिंह (मिक्सो), सचिन और अमन जोशी ने प्रतिभागियों को प्रशिक्षण



रोहताक। कार्यशाला में विद्यार्थियों के साथ मिक्सोलॉजिस्ट हरदीप सिंह (मिक्सो) व आईएचटीएम निदेशक प्रो. संदीप मलिक। फोटो: हरिभूमि

दिया, जबकि पुष्पेंद्र, धीरज और लक्ष्य ने अंतिम मॉकटेल तैयार करने में सहयोग किया। आईएचटीएम निदेशक प्रो. संदीप मलिक ने कहा कि हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री में

मिक्सोलॉजी का विशेष महत्व है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की व्यावहारिक ट्रेनिंग से छात्रों की दक्षता बढ़ती है और होटल, रेस्टोरेंट व एफ एंड बी सेवाओं में रोजगार के अवसर मजबूत होते हैं।

# जीडी गोयनका इंटरनेशनल स्कूल में सर्वाइकल कैंसर के कारण, लक्षण व बचाव के तरीके बताए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहताक

जीडी गोयनका इंटरनेशनल स्कूल में सर्वाइकल कैंसर (गर्भाशय ग्रीवा कैंसर) के टीकाकरण को लेकर एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में डॉक्टरों की टीम ने छात्राओं और अभिभावकों को बीमारी के कारण, लक्षण, बचाव और टीकाकरण के महत्व के बारे में सरल भाषा में जानकारी दी। इस मौके पर डॉ. रमेश चंद्र (सिविल सर्जन, रोहताक) और डॉ. के.एल. मलिक (कंसल्टेंट, शिवाजी कॉलोनी डिस्पेंसरी) विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने बताया कि समय पर लगाया गया टीका सर्वाइकल कैंसर से बचाव में अत्यंत



प्रभावी है और किशोरियों के लिए यह सुरक्षित व आवश्यक है। कार्यक्रम में छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और डॉक्टरों से सवाल पूछकर अपनी शंकाओं का समाधान किया। विद्यालय के निदेशक विक्रान्त मायना, सान्या मायना, सहायक निदेशक हिमांशु गुप्ता, उप-

## खबर संक्षेप

### वलेरिकल सर्विसेज बिल-2026 में संशोधन की मांग, पदोन्नति व वेतनमान पर उठाए सवाल

रोहताक। वलेरिकल एग्रीमेंटेशन वेलफेयर सोसायटी ने हरियाणा वलेरिकल सर्विसेज बिल-2026 में व्यापक संशोधन की मांग उठाई है। एग्रीमेंटेशन का कहना है कि यह बिल एक शुरुआती कदम है, लेकिन इसमें वलकों के सीमित पदोन्नति अवसर, कैडर पुनर्गठन, समयबद्ध पदोन्नति और सम्मानजनक वेतनमान जैसे अहम मुद्दों पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया। जिला प्रधान संदीप दांगी ने कहा कि यदि वलक पद 'डेड-वेट' बना रहा तो गुप-डी कर्मचारियों की पदोन्नति भी सीमित रह जाएगी। उन्होंने मजबूत प्रमोशन स्ट्रक्चर और स्पष्ट आर्थिक लाभ सुनिश्चित करने की मांग की। जिला सचिव सुनील राठी ने सभी विभागों में कॉमन वलेरिकल कैडर, एक मर्ती और एक नियम लागू करने की बात कही। वहीं सतीश कुमार ने समान पदनाम और वेजुएशन को न्यूनतम योग्यता बनाने की मांग रखी। जगत सिंह ने उच्च पदों को प्रमोशन से भरने, जबकि मजान धनखंड ने समयबद्ध पदोन्नति व संशोधित वेतनमान लागू करने पर जोर दिया। प्रेस सचिव ओमवीर हुड्डा ने कहा कि वलक व गुप-डी कर्मचारियों के हित आपस में जुड़े हैं।



### जॉन वेस्ले कॉन्वेंट में 'रेड डे' की धूम

रोहताक। बोडाना रोड स्थित जॉन वेस्ले कॉन्वेंट में 'रेड डे' बड़े ही उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। बाल वाटिका-1 और बाल वाटिका-2 के नव्हे विद्यार्थियों ने अपनी मासूम मुस्कान और ऊर्जा से कार्यक्रम को यादगार बना दिया। विद्यालय परिसर और कक्षाओं को लाल रंग की आकर्षक थीम से सजाया गया, जिससे पूरा माहौल उत्सवमय नजर आया। इस अवसर पर बच्चे और अध्यापक लाल परिधान में दिखाए गए, जिससे हर 'रेड' की चमक झिलक उठी। बच्चों के लिए रोचक व ज्ञानवर्धक गतिविधियों का आयोजन किया गया। नव्हे विद्यार्थियों ने लाल रंग के फल व वस्तुएं जैसे टमाटर, स्ट्रॉबेरी, चेरी, टेंडी बिस्किट, बैंगून लाइक सहगानिना दिखाई, जिससे उन्हें लाल रंग की पहचान आसान तरीके से करवाई गई। कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने वर्कशॉट्स हल कीं, कविताएं गाईं और रंग भरकर अपनी रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। 'लाल चादर' के नीचे एकत्र होकर बच्चों ने खूब मस्ती भी की। प्रधानाचार्य डॉ. ममता मलिक ने कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों को खेल-खेल में सीखने का अवसर देते हैं। कार्यक्रम में उप-प्रधानाचार्य व अन्य स्टाफ सदस्यों ने भी सहयोग दिया।

### रोजगार बचाओ जनजागरण यात्रा का स्वागत

रोहताक। ओबीसी ब्लाक के तत्वावधान में शिक्षा और रोजगार बचाओ जनजागरण यात्रा का पांचाल धर्मशाला भिखानी चुंगी पर पहुंचने पर स्वागत किया गया। इस अवसर पर राजेन्द्र तंवर ने कहा कि बीजेपी सरकार प्रदेश में शिक्षा का निर्जीवन कर करीब 10 लाख लोगों को अधिकारों से वंचित करने पर लगी हुई है। एक तरफ तो बीजेपी सरकार के नेता कह रहे हैं कि सबका साथ सबका विकास का नारा बुलंद कर रही है जबकि दूसरी तरफ दलित व पिछड़ वर्ग के लोगों को नौकरियों को अच्छे हथकंडे अपना कर नौकरियों से वंचित कर रहे हैं।

# गवर्नमेंट वुमन पीजी कॉलेज में पक्षियों के लिए लगाए सकारे



रोहताक। पक्षियों के लिए पेयजल उपलब्ध करवाते प्राचार्य डॉ. शमशेर हुड्डा।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहताक

युवा रेड क्रॉस सोसायटी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय महिला रोहताक द्वारा गर्मियों के दौरान पक्षियों के लिए पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सकोरा पॉट ड्राइव का आयोजन किया गया। इस पहल का उद्देश्य बढ़ती गर्मी में पक्षियों को स्वच्छ पानी उपलब्ध कराना और छात्रों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. शमशेर हुड्डा मुख्य रूप से उपस्थित रहे। उनके साथ डॉ. वीना सचदेवा,

डॉ. रुचि, डॉ. सैनी बरखा, डॉ. सिंकी शर्मा, स्वाति मलिक तथा स्वाति बलहारा भी उपस्थित रहें। इस गतिविधि का विचार युवा रेड क्रॉस के संयोजक डॉ. सतीश पांगल द्वारा प्रस्तुत किया गया था। कार्यक्रम के अंतर्गत छात्रों ने सकारे (मिट्टी के बर्तन) में पानी भरकर उन्हें महाविद्यालय परिसर के विभिन्न स्थानों पर इस प्रकार स्थापित किया, जहाँ पक्षियों की आसानी से पहुँच हो सके। इस अभियान के माध्यम से विद्यार्थियों ने प्रकृति और जीव-जंतुओं के प्रति अपनी जिम्मेदारी को समझते हुए सराहनीय योगदान दिया।

# नशे से बचने के लिए जागरूकता व आत्मसंयम जरूरी



## केवीएम नर्सिंग कॉलेज में नशा मुक्ति अभियान विषय पर सेमिनार का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहताक

केवीएम नर्सिंग कॉलेज में नशा मुक्ति अभियान विषय पर जागरूकता सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार का मुख्य

उद्देश्य नर्सिंग विद्यार्थियों को नशे के कारणों, लक्षणों, रोकथाम और समय पर उपचार के महत्व के प्रति जागरूक करना रहा। कार्यक्रम में नशा मुक्ति अभियान से जुड़े एसआई अमर कटारिया और एसआई मोहन सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने छात्राओं को संबोधित करते हुए बताया कि धूम्रपान, शराब और अन्य नशे न केवल स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हैं, बल्कि परिवार और समाज पर भी इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। उन्होंने यह भी बताया कि जागरूकता और आत्मसंयम के जरिए नशे से बचा जा सकता है। सेमिनार में नर्सिंग छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और विषय से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी हासिल की। छात्राओं ने प्रश्न पूछकर अपनी

शंकाओं का समाधान भी किया। कार्यक्रम के अंत में कॉलेज की प्रिंसिपल प्रोफेसर ज्योति शर्मा ने मुख्य अतिथियों का धन्यवाद किया और उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि ऐसे जागरूकता कार्यक्रम विद्यार्थियों के व्यक्तिगत विकास और समाज में सकारात्मक संदेश देने के लिए बेहद जरूरी हैं।

## उपलब्धि संस्कृत से फारसी तक: मुगलकालीन विरासत पर एमडीयू की प्रोफेसर का बड़ा शोध

# लंबे समय से बिखरी 'द्वादश भाव' आधारित अकबरकालीन दुर्लभ चित्रित पांडुलिपि जोड़ी, अंतरराष्ट्रीय प्रकाशन में छपी



रोहताक। एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. अंजलि दुहान के साथ कुलपति प्रो. मिलाप पूनिया।

## डॉ. अंजलि दुहान का अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बड़ा काम, कुलपति को भेंट की अपनी शोधपरक पुस्तक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहताक

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के दृश्य कला विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. अंजलि दुहान ने मंगलवार को अपनी महत्वपूर्ण शोधपरक पुस्तक कुलपति प्रो. मिलाप पूनिया को भेंट की। द्वादश भाव: संस्कृत कथा का मुगल संस्करण शीर्षक से प्रकाशित यह पुस्तक अंतरराष्ट्रीय प्रकाशक त्रिल (लाइडन और बोस्टन) तथा इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडी (आईआईएस), शिमला द्वारा प्रकाशित की गई है।

कुलपति प्रो. मिलाप पूनिया ने कहा कि इस प्रकार का शोध भारतीय कला, इतिहास और साहित्य की विरासत को वैश्विक मंच पर स्थापित करने में अहम भूमिका निभाता है। उन्होंने डॉ. अंजलि दुहान को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी। डॉ. अंजलि दुहान ने बताया कि यह पुस्तक मुगल सम्राट अकबर के काल (लगभग 1596 ई.) में तैयार एक दुर्लभ चित्रित पांडुलिपि द्वादश भाव पर आधारित है, जो लंबे समय तक बिखरी हुई अवस्था में रही। वर्ष 1972 तक इस पांडुलिपि को अलग-अलग हिस्सों में बांट दिया गया था और इसके चित्र निजी संग्रहों में चले गए थे। उन्होंने पहली बार इस बिखरी हुई कृति को एकत्रित कर उसका लिप्यंतरण

और अंग्रेजी में अनुवाद प्रस्तुत किया है। इस पुस्तक में न केवल इस पांडुलिपि का पुनर्निर्माण किया गया है, बल्कि उस दौर में भारत में संस्कृत ग्रंथों के फारसी अनुवाद की परंपरा के संदर्भ में भी इसका विश्लेषण किया गया है। इससे मुगलकालीन अनुवाद प्रक्रिया और सांस्कृतिक आदान-प्रदान की नई समझ सामने आती है। डॉ. अंजलि दुहान ने बताया कि पांडुलिपि में शामिल लघु चित्र केवल सजावटी तत्व नहीं थे, बल्कि वे कथा के अर्थ को समझाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते थे। इन चित्रों के अध्ययन के आधार पर यह भी संकेत मिलता है कि इन्हें मुगल शाही कार्यशाला के विशेष कलाकार समूहों ने तैयार किया था।

# विधायक ने गोशालाओं में वितरित किए ₹59.72 लाख अनुदान के चेक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहताक

समाज में सेवा और संवेदना की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए गौसेवा के लिए विभिन्न संगठनों एवं व्यक्तियों द्वारा उल्लेखनीय आर्थिक सहयोग प्रदान किया गया। इस अवसर पर विधायक अनिल राव ने चेक वितरित करते हुए कहा कि गौसेवा भारतीय संस्कृति और आस्था का अभिन्न अंग है तथा समाज के सभी वर्गों को इसमें अपनी सहभागिता सुनिश्चित करनी चाहिए। प्राप्त जानकारी के अनुसार, अखिल भारतीय गोशाला पहारवार को 50,25,960 की राशि का सहयोग प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त पंचायती गौशाला सोसायटी, कलानी को 9,41,620 की आर्थिक सहायता दी गई, जिससे गौशाला के संचालन एवं गौवंश की देखभाल को और सुदृढ़ किया जा सकेगा। इसी क्रम में जगपाल मगू समाज सेवा एवं गऊ सेवा संस्थान आंबल को 4,520 की सहायता राशि प्रदान की गई, जो समाज सेवा के कार्यों में उपयोग की जाएगी। इस अवसर पर विधायक कोसली अनिल राव ने कहा कि हरियाणा की धरती सदैव से गौसेवा और



परोपकार की भावना के लिए जानी जाती रही है। उन्होंने कहा कि गौशालाएं न केवल बेसहारा पशुओं के संरक्षण का कार्य करती हैं, बल्कि समाज में सेवा और करुणा का संदेश भी देती हैं। उन्होंने सभी सामाजिक संगठनों और आम नागरिकों से अपील की कि वे अपनी क्षमता अनुसार गौसेवा में योगदान दें। इस दौरान उपस्थित गोशाला पदाधिकारियों ने भी इस पहल को सौभाग्यपूर्ण माना और कहा कि इस प्रकार के सहयोग से गौशालाओं को मजबूती मिलेगी तथा गौवंश के संरक्षण के प्रयासों को नई दिशा प्राप्त होगी। उन्होंने यह भी कहा कि समाज के सहयोग से ही इस प्रकार के सेवा कार्य निरंतर चलते रह सकते हैं।



# पार्किंग की कमी से सड़क किनारे खड़े हो रहे वाहन बढ़ रहे परेशानी बाइपास पर ट्रैफिक बेपटरी: शहर की लाइफलाइन पर ही थम रही रफ्तार

हरिभूमि न्यूज || रोहतक



**अस्पताल, यूनिवर्सिटी और होटलों की भीड़ से बढ़ रहा ट्रैफिक दबाव**

दिल्ली बाइपास इन दिनों शहर की लाइफलाइन कम और जाम का सबसे बड़ा हॉटस्पॉट बनता जा रहा है। अस्पताल, यूनिवर्सिटी, सर्किट हाउस, आईजी ऑफिस और होटलों जैसे प्रमुख केंद्रों के बीच स्थित यह मार्ग दिनभर भारी ट्रैफिक दबाव झेल रहा है। सुबह और शाम के पीक आवस में तो हालात और बिगड़ जाते हैं, जब कुछ ही दूरी तय करने में लोगों को 20-30 मिनट तक का समय लग जाता है।

सबसे बड़ी समस्या यहां पार्किंग की समुचित व्यवस्था का अभाव है, जिसके चलते लोग मजबूरी में सड़क किनारे वाहन खड़े कर देते हैं। इसके अलावा मोड़ों पर खड़ी टैक्सियां और बेतरतीब ऑटो ट्रैफिक की रफ्तार को और धीमा कर रहे हैं। नतीजा, जाम अब इस इलाके की पहचान बनता जा रहा है, जिससे आम लोगों, मरीजों और छात्रों को रोजाना भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

## हजारों लोग गुजरते हैं रोजाना

दिल्ली बाइपास पर हर रोज हजारों लोग गुजरते हैं। कोई इलाज के लिए अस्पताल पहुंचता है, तो कोई यूनिवर्सिटी के काम से आता-जाता है। सर्किट हाउस और आईजी ऑफिस में भी दिनभर अधिकारियों और आम लोगों की आवाजाही लगी रहती है। इसके अलावा, होटलों में होने वाले कार्यक्रमों और बाहर से आने वाले मेहमानों की भीड़ इस दबाव को कई गुना बढ़ा देती है। इतनी बड़ी संख्या में वाहनों के आने-जाने के बावजूद पार्किंग की समुचित व्यवस्था न होने के कारण लोग मजबूरी में सड़क किनारे ही वाहन खड़े कर देते हैं। नतीजा सड़क सिकुड़ जाती है और रफ्तार पर ब्रेक लग जाता है।

## बेतरतीब पार्किंग ने बिगाड़ा हाल

सबसे ज्यादा खराब स्थिति अस्पतालों और होटलों के बाहर देखने को मिलती है। यहां आने वाले लोग अपनी गाड़ियां सीधे सड़क पर खड़ी कर देते हैं। कई बार तो आधी सड़क तक वाहन खड़े रहते हैं, जिससे ट्रैफिक एक ही लेन में सिमट जाता है। मरीजों को लाने वाली गाड़ियां, ऑटो और निजी वाहन एक-दूसरे से उलझते रहते हैं। ऐसे में एंबुलेंस तक को रास्ता निकालने में परेशानी होती है।

## टैक्सियां सबसे बड़ी अड़चन

जाम की एक और बड़ी वजह दिल्ली जाने वाली टैक्सियां हैं, जो बाइपास के मोड़ पर खड़ी रहती हैं। सवारियों के इंतजार में घालक अपनी गाड़ियां ऐसे स्थानों पर खड़ी कर देते हैं, जहां से ट्रैफिक का मूवमेंट सबसे ज्यादा होता है। कई बार यह स्थिति छोटे-छोटे जाम से बढ़कर बड़े जाम में तब्दील हो जाती है।

चारों तरफ मोड़ों पर खड़ी टैक्सियां भी बढ़ा रही जाम एंबुलेंस तक को नहीं मिल पाता रास्ता, मरीजों की बढ़ी परेशानी सर्किट हाउस और ऑफिसों में आवाजाही से भी बढ़ता है ट्रैफिक

## यह हो सकता है समाधान

- ▶ अस्पतालों और होटलों में पार्किंग की की सही व्यवस्था हो जाए तो जाम नहीं लगेगा।
- ▶ बाइपास के मोड़ पर खड़ी टैक्सियों को हटाया जाए।
- ▶ इन वाहनों के लिए अलग से स्टैंड बनाया जाए और सख्ती से नियमों का पालन हो।
- ▶ सर्किट हाउस और इन्टर रोड पर पार्किंग की व्यवस्था की जा सकती है।
- ▶ इन स्थानों पर मल्टीलेवल या ओपन पार्किंग बनाई जा सकती है।

## तंग आ चुके लोग

रोजाना जाम में फंसने वाले लोग अब इस स्थिति से तंग आ चुके हैं। उनका कहना है कि प्रशासन को इस समस्या पर गंभीरता से ध्यान देना चाहिए। कई लोग तो अब इस रास्ते से बचने की कोशिश करते हैं, लेकिन विकल्प सीमित होने के कारण उन्हें मजबूरी में इसी मार्ग का इस्तेमाल करना पड़ता है।

## गांधी कैम्प मार्केट में गंदगी फैलाने वालों के खिलाफ चलाया अभियान



रोहतक। दुकानदारों को चालान देते नगर निगम की टीम। फोटो: हरिभूमि

## निगम ने शुरू किया मार्केट झाड़व, 11 के लिए चालान

हरिभूमि न्यूज || रोहतक

शहर को स्वच्छ, सुंदर और अतिक्रमण मुक्त बनाने के उद्देश्य से नगर निगम ने गांधी कैम्प मार्केट में विशेष सफाई अभियान चलाया। निगम आयुक्त सचिन गुप्ता के निर्देशों पर चलाए गए इस मार्केट झाड़व के दौरान नियमों का उल्लंघन करने वाले दुकानदारों और लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई। टीम ने मौके पर निरीक्षण करते हुए गंदगी फैलाने, सड़क पर कूड़ा डालने, अतिक्रमण करने और सिंगल यूज प्लास्टिक का इस्तेमाल करने वालों के चालान किए।

## अभियान के दौरान कुल 11 चालान किए गए, जिनकी कुल राशि 5900 रुपये रही। इनमें से 10 चालान 4400 रुपये के गंदगी फैलाने वालों के खिलाफ किए गए, जबकि एक चालान 1500 रुपये का सिंगल यूज प्लास्टिक बेचने वाले दुकानदार पर किया गया। निगम की टीम ने दुकानदारों को मौके पर ही चेतावनी देते हुए स्वच्छता बनाए रखने, निर्धारित स्थानों पर कूड़ा डालने और प्लास्टिक के उपयोग से बचने के लिए जागरूक भी किया।

## रोजाना कर रहे निरीक्षण

निगम आयुक्त सचिन गुप्ता ने बताया कि शहर में स्वच्छता बनाए रखने के लिए इस प्रकार के अभियान लगातार जारी रहेंगे। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे रोजाना अलग-अलग क्षेत्रों में निरीक्षण करें और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि सड़क और फुटपाथ पर अतिक्रमण करने वालों को किसी भी सूत्र में बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने शहर के दुकानदारों और आम नागरिकों से अपील की कि वे नगर निगम का सहयोग करें और शहर को साफ-सुथरा बनाए रखने में अपनी जिम्मेदारी निभाएं। उन्होंने कहा कि यदि सभी लोग मिलकर प्रयास करें, तो रोहतक को स्वच्छ और व्यवस्थित शहर बनाया जा सकता है।

## दी चेतावनी

निगम आयुक्त ने चेतावनी दी कि जो संस्थान तय समय सीमा के भीतर अनुबंध नहीं करते या नियमों का उल्लंघन करते, उनके खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बकट वेस्ट जनेरेटर्स से अपनी जिम्मेदारी समझने और कचरा इधर-उधर फेंकने के बजाय उचित प्रबंध निष्पत्ति करने की अपील की। नगर निगम की इस कार्रवाई से गांधी कैम्प मार्केट में दुकानदारों के बीच हड़कंध मच गया। वहीं स्थानीय लोगों ने निगम की इस पहल का स्वागत करते हुए उसीद जगहों के लिए इस तरह के अभियान से शहर में स्वच्छता व्यवस्था में सुधार होगा और अतिक्रमण की समस्या भी कम होगी।

## एमडीयू में वलर्क को रिपोर्ट करेंगे चार असिस्टेंट, यूनियन में हलचल

- रीअवाइंटमेंट का विरोध करने वाला ही बना टारगेट
- कैम्पस में फैसले पर चतखारेदार चर्चाएं

हरिभूमि न्यूज || रोहतक

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय में मंगलवार को ऐसा प्रशासनिक दिवस आया कि पूरे कैम्पस में चर्चा का तापमान बढ़ गया। एक आदेश ने न सिर्फ व्यवस्था को उलट-पुलट किया, बल्कि यूनियन की राजनीति में भी नई हलचल पैदा कर दी। मामला कुछ यूँ है कि विश्वविद्यालय के एक अधिकारी ने आदेश जारी

## क्या यह सिर्फ प्रशासनिक फैसला

इस पूरे घटनाक्रम ने विश्वविद्यालय की राजनीति में एक दिलचस्प मोड़ ला दिया है। लोग इसे एक अधिकारी का मारुट्टरदिक बतार रहे हैं, तो कुछ इसे नियम-कार्यक्रमों का आड में खेला गया चालाकी बतार रहे हैं। हालांकि, आदेश जारी करने वाले अधिकारी ने नियमों का हवाला देकर फैसले को पूरी तरह वैध बताया है। लेकिन कैम्पस की चारों ओर फैले हुए दफ्तारों के कॉरिडोर तक एक ही सवाल गूँज रहा है कि क्या यह सिर्फ प्रशासनिक फैसला है या फिर पुराने हिस्सा-किताब बराबर करने का तरीका। फिलहाल, एमडीयू में फाइलों से ज्यादा चर्चा इस वलर्क राज की है, जहां कुर्रियायें ही नहीं, समीकरण भी तेजी से बदल जाते हैं।

कर दिया कि अब एक वलर्क के तौर पर वापसी कर चुके हैं। इस आदेश का सबसे बड़ा झटका गैर-शिक्षक कर्मचारी संघ के एक पूर्व पदाधिकारी को लगा। उन्हें कुछ दिन पहले ही जो चार्ज सौंपे गए थे, वे प्रशासनिक पेन की एक लाइन से वापस ले लिए गए।

## जाट संस्था के प्रधान ने विभिन्न विकास कार्यों का निरीक्षण किया

रोहतक। जाट शिक्षण संस्था के प्रधान गुलाब सिंह दिमाना ने मैनेजमेंट एवं कालेजियम सदस्यों के साथ संस्था में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों का निरीक्षण किया। कार्यों में और तेजी लाने और कार्य में पारदर्शिता लाने के निर्देश भी दिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने बताया कि संस्था में कई अहम निर्माण कार्य पूरे हो चुके हैं तथा कुछ पर कार्य जारी है। उन्होंने बताया कि किसानों के मसीहा चौधरी छोड़राम के जाट स्कूल में बनाए गए समाधि स्थल का भव्य निर्माण कार्य प्रगति पर है। समाधि स्थल पर लगी छोड़राम की प्रतिमा भी बड़ी की जाएगी साथ ही वहां पर एक बड़ा और सुंदर भव्य डोम बनाया जा रहा है। इस डोम में उस पहाड़ का पत्थर लगाया जा रहा है जो की अयोध्या में बने श्री राम मंदिर में लगाया गया है। उन्होंने बताया कि संस्था में क्रिकेट ग्राउंड का निर्माण कार्य लगभग पूरा हो चुका है, जबकि अंतरराष्ट्रीय स्तर की शूटिंग रेंज भी तैयार की जा चुकी है। इसके अतिरिक्त जाट कॉलेज के खेल मैदान को राष्ट्रीय स्तर का बनाने के लिए निर्माण कार्य जारी है।



## याद बहुत आते हैं वो दिन...

मैं चैंट नेवी से रिटायर्ड रामचंद्र जब अपने बचपन को याद करते हैं तो वेहरे पर हल्की सी मुस्कान में आंखों में आंसू उठते हैं। रामचंद्र बताते हैं कि उनके पिता बेहद सख्त स्वभाव के थे, लेकिन उस सख्ती के पीछे एक महत्वाकांक्षी और मूल्यवान् पिता छिपी रहती थी। जब मैं सुबह देर तक सोता रहता था, तो पिता मुझे उठाकर के लिए सोथे मेरे ऊपर पानी डाल देते थे। उस समय गुस्सा भी आता था, लेकिन आज समझ आता है कि वे मुझे समय की कौमत्त सिखा रहे थे। वे याद करते हुए कहते हैं कि सिर्फ सुबह उठने तक ही बात खत्म नहीं होती थी। अगर मैं पढ़ाई में दिलाई करता, तो पिता लठ लेकर मेरे पीछे दौड़ते थे। उस समय डर लगता था, लेकिन वही डर मुझे सही रास्ते पर बलब रखता था। उन्होंने हंसते हुए बताया कि उनके जीवन की दिशा तय करने में उनके पिता के इन कठोर तरीकों की सबसे बड़ी भूमिका रही है।

## पानी डालकर जगाते थे पिता लठ लेकर कराते थे तैयारी

मैं चैंट नेवी से रिटायर्ड रामचंद्र आज भी जब बचपन को याद करते हैं तो होठों पर मुस्कान और आंखों में आंसू उठते हैं। वे बताते हैं कि बचपन सिर्फ यादों का हिस्सा नहीं, बल्कि जीवन की वह पाठशाला है, जिसमें अनुशासन, मेहनत और जिम्मेदारी का असली मतलब सिखाया।



## बच्चों को भी अनुशासन और मेहनत का महत्व समझाया

रामचंद्र ने बताया कि पिता ने मुझे सिखाया कि बिना मेहनत के कुछ हासिल नहीं होता, वे कहते हैं। जब रामचंद्र खुद पिता बने, तो उन्होंने भी अपने बच्चों को वही सीख देने की कोशिश की। मैंने अपने बच्चों को भी अनुशासन और मेहनत का महत्व समझाया। आज वे सरकारी नौकरी में हैं, तो मुझे लगता है कि यह मेरे पिता के आशीर्वाद का ही फल है। उनकी यह कहानी सिर्फ एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि उस पीढ़ी की झलक है, जहां पिता की सख्ती को ही सफलता की सीढ़ी माना जाता था। आज मैंने ही तर्कित बदल गए हैं, लेकिन उनके अनुभव यह बताते हैं कि मजबूत संस्कार व अनुशासन ही सही दिशा देते हैं।

## सुपवा में कला प्रदर्शनी 'अभिव्यंजना' का आगाज 3 को

रोहतक। दादा लख्मी चंद स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ परफॉर्मिंग एंड विजुअल आर्ट्स (डीएलसी-सुपवा) में कला प्रेमियों के लिए प्रदर्शनी अभिव्यंजना का आगाज 3 मई को होगा। यूनिवर्सिटी के चान्सलर व प्रेक्षक के राज्यपाल प्रो असीम कुमार घोष अभिव्यंजना का उद्घाटन करेंगे। यह प्रदर्शनी सुकून कॉलेज के छात्रों, कला प्रेमियों व आम लोगों के लिए 5 मई को अखिलेश्वर के लिए ओपन की जाएगी, जो 8 मई तक जारी रहेगी। एफसी विनय कुमार ने बताया कि अभिव्यंजना सुपवा के फेकल्टी ऑफ विजुअल आर्ट्स की सालाना कला प्रदर्शनी है। इसमें विजुअल आर्ट्स के स्नातक व स्नातकोत्तर के प्रथम वर्ष से अंतिम वर्ष तक के छात्र अपनी साल भर में तैयार की गई कलाकृतियों को प्रदर्शित करेंगे। रजिस्ट्रार डॉ. गुंजन मलिक मनोवा ने बताया कि 'अभिव्यंजना' में छात्रों द्वारा पूरे वर्ष के दौरान तैयार किए गए आर्ट वर्क को एक साथ प्रदर्शित किया जाएगा। यह प्रदर्शनी न केवल उनके अभ्यास और सीखने की प्रक्रिया को दिखाएगी, बल्कि कला के माध्यम से उनके विचारों और अभिव्यक्ति को भी सामने लाएगी।

## छात्रों को डिजिटल फ्रॉड व सुरक्षित निवेश के प्रति किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज || रोहतक

राजकीय महिला महाविद्यालय लाखन माजरा में मंगलवार को आईक्यूसी प्रकोष्ठ के तत्वावधान में तथा वाणिज्य एवं अर्थशास्त्र विभाग के संयुक्त प्रयास से रीजनल इन्वेस्टर सेमिनार फॉर अवेयरनेस (आरआईएसए) कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्या इंदु सपरा के मार्गदर्शन में कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता पूनम चंद, इन्वेस्टर सर्विसेज सेंटर, बीएसई (बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज), नई दिल्ली रहे। मुख्य वक्ता ने अपने व्याख्यान में विद्यार्थियों एवं स्टाफ को वित्तीय साक्षरता, सुरक्षित निवेश के उपायों तथा डिजिटल फ्रॉड से बचाव के बारे में विस्तृत जानकारी

## बच्चों को बनाया कामयाब

रोहतक निवासी रमेश कुमार की जिंदगी संघर्ष, मेहनत और संतोष की मिसाल है। वे बताते हैं कि उन्होंने पूरी उम्र खेती करते अपने बच्चों को पढ़ाया-लिखाया। सुबह खेतों में पसीना बहाना और शाम को परिवार की जिम्मेदारियां निभाना यही उनकी दिनचर्या रही। कई बार मुश्किलें भी आईं, लेकिन बच्चों की पढ़ाई कभी नहीं रुकने दी। रमेश कुमार कहते हैं, मेरे पास ज्यादा साधन नहीं थे, लेकिन एक सपना जरूर था कि मेरे बच्चे पढ़-लिखकर कुछ बनें। उसी के लिए दिन-रात मेहनत की। उनकी इसी मेहनत और लगन का नतीजा है कि आज उनके बच्चे सरकारी नौकरियों में हैं और परिवार आर्थिक रूप से मजबूत हो चुका है। अब रमेश कुमार अपने जीवन के उस दौर में हैं, जहां जिम्मेदारियों का बोझ कम और खुशियों का समय ज्यादा है। वे मुस्कुराते हुए कहते हैं, आज सबसे ज्यादा खुशी तब मिलती है जब मैं अपने पोतों और पोतियों के साथ समय बिताता हूँ, उनके साथ खेलता हूँ और उनकी हंसी सुनता हूँ। उनकी कहानी बताती है कि सच्ची मेहनत और धैर्य का फल देर से ही सही, लेकिन जरूर मिलता है।

## पिता की सख्ती से मिली कामयाबी

पवन कुमार, जो शिक्षा विभाग से रिटायर्ड है, आज अपने जीवन के शांत और संतोष भरे दौर का आनंद ले रहे हैं। वे बताते हैं कि आज जो सुकून और बेफिकरी उन्हें मिली है, उसके पीछे उनके पिता की कड़ी मेहनत और त्याग छिपा है। पवन कुमार याद करते हैं कि बचपन में उनके पिता ने उन्हें पढ़ाने-लिखाने के लिए दिन-रात एक कर दिया। सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने कभी बंदे की पढ़ाई में कमी नहीं आने दी। "पिता खुद मेहनत करते थे, लेकिन हमें हमेशा आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते रहे," वे कहते हैं। उनकी इसी मेहनत और मार्गदर्शन का परिणाम रहा कि पवन कुमार ने शिक्षा विभाग में नौकरी हासिल की और ईमानदारी से अपनी सेवाएं दीं। अब सेवानिवृत्ति के बाद वे अपने समय को अपने तरीके से जी रहे हैं। वे मुस्कुराते हुए कहते हैं, आज मैं जो भी सुकून मरी जिंदगी जी रहा हूँ, वह सब मेरे पिता की मेहनत का ही फल है। अब समय मिलता है तो दोस्तों से मिलना, सूचना-फिरना और परिवार के साथ वक्त बिताना ही सबसे बड़ी खुशी है। उनकी कहानी यह साबित करती है कि माता-पिता की मेहनत कभी व्यर्थ नहीं जाती।

**हरिभूमि**  
**आवश्यक सूचना**  
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इनके टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सएप करें :-  
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक  
ऑफिस नं.: 9253681019-20,  
फोन : 9253681010, 9253681005

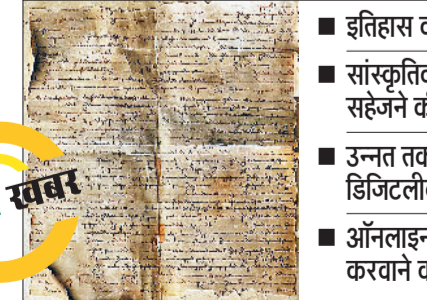
**मृत्यु अंत नहीं है**  
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है आत्मा पथ प्रदर्शक है।  
**हरिभूमि**  
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक  
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।  
**तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश**  
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुगम **हरिभूमि** के माध्यम से  
साईज संस्करण विशेष छूट राशि  
5 X 8 से.मी स्थानीय संस्करण के छ. 2500/-  
10X 8 से.मी अन्तर के पृष्ठ पर छ. 3000/-  
+5% GST Extra  
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मात्र। अन्य किसी साईज के लिए कॉर्ड रर लागू।  
**अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें**  
हिंदी कार्यालय - हरिभूमि, कृषि विद्यान केन्द्र के मुख्य कार्यालय - हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9998959400  
स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9253681019-20

## प्रशासन के अनुसार, क्षेत्र के सामाजिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक पहलुओं को समेटे हुए हैं पांडुलिपियां

# अब 75 साल पुरानी पांडुलिपि बनेंगी डिजिटल विरासत

हरिभूमि न्यूज || रोहतक

समय की धूल में दबती जा रही ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत को संजोने के लिए जिला प्रशासन ने एक महत्वपूर्ण पहल की है। जिले में संरक्षित लगभग 75 वर्ष पुरानी पांडुलिपि को अब डिजिटल फॉर्म में तैयार किया जाएगा। यह कदम न केवल स्थानीय इतिहास को सुरक्षित रखने की दिशा में अहम सावित होगा, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए ज्ञान का प्रसारण और स्थायी स्रोत भी बनेगा। प्रशासन के अनुसार, पांडुलिपि क्षेत्र के सामाजिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक पहलुओं को समेटे हुए है।



इसमें पुराने समय की जीवनशैली, परंपराएं, लोक मान्यताएं और प्रशासनिक दान्चे से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां दर्ज हैं। वर्षों से यह दस्तावेज कागजों में सीमित था, जिससे इसके नष्ट होने का खतरा लगातार बना हुआ था। अब इसे स्कैन कर डिजिटल आर्काइव के रूप में सुरक्षित किया जाएगा। प्रशासन ने तय किया है कि पांडुलिपि अप्रकाशित होनी चाहिए। किसी भी व्यक्ति के पास पांडुलिपि है तो इसकी सूचना डीसी कार्यालय को दे सकता है। इसके बाद जब वे तय हो जाएंगे कि

- इतिहास व परंपरा की झलक
- सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित की दिशा में कदम
- उन्नत तकनीक से होगा डिजिटलीकरण
- ऑनलाइन पोर्टल पर उपलब्ध करवाने की भी योजना

## डिजिटल पहल से सजीव इतिहास

डिजिटल पांडुलिपि को भविष्य में एक ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से भी उपलब्ध कराने की योजना है। इससे देश-विदेश के शोधकर्ता, विद्यार्थी और इतिहास में रुचि रखने वाले लोग आसानी से इस सामग्री तक पहुंच सकते हैं। यह कदम 'डिजिटल इंडिया' मिशन के उद्देश्यों के अनुरूप भी है, जहां परंपरा और तकनीक का संगम देखने को मिलता है। नागरिकों और इतिहास प्रेमियों ने भी इस पहल का स्वागत किया है। उनका मानना है कि इससे रोहतक की सांस्कृतिक पहचान को मजबूती मिलेगी और युवाओं में अपने अतीत को जानने की रुचि बढ़ेगी। साथ ही, यह अन्य जिलों के लिए भी एक महत्वाकांक्षी बन सकता है, जहां इसी तरह की पुरानी पांडुलिपियां आज भी उपेक्षित पड़ी हैं। प्रशासन की यह पहल केवल एक दस्तावेज को डिजिटल रूप देने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह अतीत और भविष्य के बीच एक मजबूत सेतु बनाने का प्रयास है। जहां इतिहास केवल किताबों में नहीं, बल्कि एक क्लिक की दूरी पर जीवंत रूप में मौजूद होगा।

## कॉलेज प्रबंधनों से मांगी थी जानकारी

कॉलेजों की लाइब्रेरी में पांडुलिपि नहीं मिली। इस बारे में कॉलेज प्रबंधनों से जानकारी मांगी गई थी। रिपोर्ट मिल है।  
- डॉ. परमनूष आर्य, प्राचार्य, राजकीय महाविद्यालय साजला एच नॉर्डल एमएस पांडुलिपि प्रभाती